ठंड के दिन थे। एक जंगल में कुछ बंदर ठंड से काँप रहे थे। वे एक साथ इकट्ठे हुए और विचार विनिमय के बाद फैसला किया कि इंसान जैसे आग जलाते है वैसे आग जलाना चाहिए। उन्होंने तब फैसला किया कि उन्हें लाल दिखने वाली वस्तु ढूंढनी चाहिए जो मानव आग लगने के लिए इस्तेमाल करते है। जंगल में अंगारा कहाँ मिलनेवाला था? जंगल में बंदरों को लाल लाल गुंज मिले। उन्होंने कुछ लकड़ी इकठ्ठा की और गुंज को लकड़ी पर डाल दिया और उसको हवा देने लगे ताकि आग पकड़ सके।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp 94232 09132

एक चिड़िया पास के पेड़ पर बैठी थी। उसने उन बंदरों को बताया कि वे सही रास्ते पर नहीं है। वो गुंज है, अंगारे नही है। उससे कभी भी आग नही जलेगी। लेकिन बंदरों को गुस्सा आया कि हमारी अकल को चुनौती देनेवाली ये कौन होती है?बंदरों ने चिड़िया को बकवास बंद करने के लिए कहा।

यह देखते हुए कि बंदर इस तरह से ठंड से मर जाएंगे, चिड़िया ने फिर से बंदरों को मनाने की कोशिश की कि उन्हें अंगारा खोजने की कोशिश करनी चाहिए। बंदरों ने इस बार, चिड़िया पर हमला किया क्योंकि उनके हिसाब से उन्होंने जो सोचा था वही सही था और वे अपने जसे बढ़कर किसी को मानने के लिए तैयार नही थे।

चिड़िया बुरी तरह से घायल हो गयी थी लेकिन किसी तरह उड़ने में कामयाब रही। अहंकारी बंदरों ने अपने प्रयत्न जारी रखे और अंततः ठंड से मर गए।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp 94232 09132

मूर्खों को कोई नही बचा सकता।